खंड-1 का विस्तृत अनुक्रम

सिद्धार्थ
(महाकाव्य)

तृतीय संस्करण की भूमिका	*अनूप*	**3**
दो शब्द	*अनूप*	**5**
सर्ग 1 : शुभ स्वप्न		**7**
सर्ग 2 : भाग्योदय		**13**
सर्ग 3 : उन्मेष		**22**
सर्ग 4 : अनुकम्पा		**32**
सर्ग 5 : अवरोध		**38**
सर्ग 6 : संयोग		**45**
सर्ग 7 : राग		**54**
सर्ग 8 : अभिज्ञान		**59**
सर्ग 9 : चिन्तना		**67**
सर्ग 10 : भावी		**73**
सर्ग 11 : अभिनिवेदन		**79**
सर्ग 12 : महाभिनिष्क्रमण		**89**
सर्ग 13 : व्यथा		**102**
सर्ग 14 : संबोध		**109**
सर्ग 15 : संदेश		**122**
सर्ग 16 : यशोधरा		**131**
सर्ग 17 : दर्शन		**148**
सर्ग 18 : निर्वाण		**156**
कठिन शब्दों का कोश		**167**

वर्द्धमान
(महाकाव्य)

आमुख	*लक्ष्मी चन्द्र जैन*	**181**
लेखक का वक्तव्य		**195**
भगवान् महावीर : जीवन-वृत्त		**197**
सर्ग 1		**203**
सर्ग 2		**218**
सर्ग 3		**228**
सर्ग 4		**234**
सर्ग 5		**242**
सर्ग 6		**255**
सर्ग 7		**265**
सर्ग 8		**275**
सर्ग 9		**285**
सर्ग 10		**296**
सर्ग 11		**307**
सर्ग 12		**318**
सर्ग 13		**329**
सर्ग 14		**340**
सर्ग 15		**354**
सर्ग 16		**375**
सर्ग 17		**387**